रास्ता और मंजिल

श्रीमति अन्जू चौधरी
वरिष्ठ शोध सहायक

जिन्दगी की हकीकतों को,
आजमाइशों के दौर से गुजरने तो दो ।
नजर आयेगें किनारे भी,
तूफाँ को जरा ठहरने तो दो ।
ना हो परेशां देखकर दूरियां मंजिल की,
ना हो मायूस गर घड़ियां हो मुश्किल की ।
वक्त अच्छा भी आयेगा,
वक्त बुरा गुजरने तो दो ।
जिन्दगी की हकीकतों . . . .

गर हो पक्का इरादा और खुद से हो सच्चा वादा,
किस्मत तो क्या चीज है दुनिया बदल सकता है आदमी ।
सुबह जरुर आयेगी,
रात का ऑचल ढलने तो दो ।
जिन्दगी की हकीकतों . . . .

बने बनाये रास्ते पे चलना भी क्या चलना है,
जो बनाता है एक नया रास्ता वही तो महान है ।
मंजिलें देंगी खुद अपना पता,
कदमों को सफर करने तो दो ।
जिन्दगी की हकीकतों . . . .

***